Regarding memorial for Shabeed Mangal Pandey

श्री सनातन पांडेय **(**बलिया**) :** महोदय, आज से 168 साल पहले जब हिंदुस्तान अंधेरे में था, उस समय कोई भी आदमी अंग्रेजों के खिलाफ बोलने के लिए तैयार नहीं था तो एक ऐसा पुंज खड़ा हुआ, जो हिंदुस्तान के उत्तर प्रदेश की बलिया धरती से उठा । जिसका नाम चित्तू पांडे था, वे हिंदुस्तान के प्रथम क्रांतिकारी शहीद बने । मैं प्रथम क्रांतिकारी शहीद मंगल पांडे के नाम पर आपसे मांग करता हूँ कि समय-समय पर आपने सबको सम्मान देने का काम किया है, आज उन्हीं के बदौलत हम सदन में बैठे हुए हैं । सत्ता पक्ष हो चाहे विपक्ष हो, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि उनको भारत रत्न से नवाजा जाए । ? (व्यवधान)